

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS



APRIL-2026

Your Path to Success

खण्ड - A

प्र.1 - _____ एक लेनदेन के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य होता है।

(A) लेखांकन समीकरण

(B) खाता बही

(C) रोजनामचा

(D) प्रमाणक

उत्तर - (D) प्रमाणक

प्र.2 – निम्न में से कौन सा समीकरण सही है ?

(A) देयताएँ = सम्पत्तियाँ + पूँजी

(B) सम्पत्तियाँ = पूँजी – देयताएँ

(C) सम्पत्तियाँ = पूँजी + देयताएँ

(D) पूँजी = संपत्तियाँ + देयताएँ

उत्तर - (C) सम्पत्तियाँ = पूँजी + देयताएँ

प्र.3 – यदि तलपट बराबर नहीं है तब तलपट का समाधान करने के लिए कौन सा खाता खोला जाता है ?

(A) लाभ-हानि खाता

(B) उचंत खाता

(C) ख्याति खाता

(D) पूँजी संचय खाता

उत्तर - (B) उचंत खाता

प्र.4 – विक्रय पुस्तक का योग ₹ 1,000 से कम किया गया। अशुद्धि का शोधन के द्वारा किया जायेगा:

(A) उचंत खातों को ₹ 1,000 से क्रेडिट तथा विक्रय खाते को ₹ 1,000 से डेबिट करके।

(B) उचंत खाते को ₹ 1,000 से डेबिट तथा विक्रय खाते को ₹ 1,000 से क्रेडिट करके।

(C) उचंत खाते को ₹ 2,000 से क्रेडिट तथा विक्रय खाते को ₹ 2,000 से डेबिट करके।

(D) उचंत खाते को ₹ 2,000 से डेबिट तथा विक्रय खाते को ₹ 2,000 से क्रेडिट करके।

उत्तर - (B) उचंत खाते को ₹ 1,000 से डेबिट तथा विक्रय खाते को ₹ 1,000 से क्रेडिट करके।

प्र.5 – निम्न में से कौन सा एक अलाभकारी संगठन के 'आय तथा व्यय खाते' के बारे में सत्य है ?

(A) व्यय से आय का आधिक्य शुद्ध लाभ कहलाता है।

(B) विशिष्ट दान की प्रकृति आयगत होती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(C) प्रवेश शुल्क आय की एक मद है।

(D) प्राप्तियों की सभी मदों का लेख आय तथा व्यय खाते के आय पक्ष की ओर तथा सभी भुगतानों का लेखा आय तथा व्यय खाते के व्यय पक्ष की ओर किया जाता है।

उत्तर - (C) प्रवेश शुल्क आय की एक मद है।

प्र.6 - निम्न में से कौन सी मद का लेखा व्यापार खाते में नहीं किया जाता है ?

(A) मजदूरी

(B) ईंधन तथा पावर

(C) आगम भाड़ा

(D) डूबत ऋण

उत्तर - (D) डूबत ऋण

प्र.7 – एक अलाभकारी संगठन के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाते समय निम्न में से कौन सी 'भुगतान' की एक मद है :

(A) स्टेशनरी

(B) दान

(C) प्रवेश शुल्क

(D) आजीवन सदस्यता शुल्क

उत्तर - (A) स्टेशनरी

प्र.8 – फर्म के विघटन पर अलिखित परिसम्पत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि को _____ में क्रेडिट किया जाता है।

(A) साझेदारों के पूँजी खातों में

(B) लाभ-हानि खाते में

(C) वसूली खाते में

(D) रोकड़ खाते में

उत्तर - (C) वसूली खाते में

प्र.9 - निम्न में से कौन सा वसूली खाते में हस्तांतरित किया जाता है ?

(A) रोकड़ खाते का शेष

(B) संचयों के शेष

(C) लाभ-हानि खाते का शेष

(D) रोकड़ तथा बैंक में नगद को छोड़कर परिसम्पत्तियों के खातों का शेष।

उत्तर - (D) रोकड़ तथा बैंक में नगद को छोड़कर परिसम्पत्तियों के खातों का शेष।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.10 - ख्याति के संबंध में निम्न में से कौन सा सत्य है ?

(A) ख्याति एक काल्पनिक परिसम्पत्ति है।

(B) ख्याति एक चालू परिसम्पत्ति है।

(C) ख्याति एक क्षयी परिसम्पत्ति है।

(D) ख्याति एक अमूर्त परिसम्पत्ति है।

उत्तर - (D) ख्याति एक अमूर्त परिसम्पत्ति है।

प्र.11 - जब एक नया साझेदार ख्याति प्रीमियम का अपना भाग नगद लाता है, राशि को _____ में डेबिट किया जाता है।

(A) ख्याति खाता।

(B) नये साझेदार का पूँजी खाता।

(C) रोकड़ खाता।

(D) पूराने साझेदारों के पूँजी खाते।

उत्तर - (C) रोकड़ खाता।

प्र.12 – अंशों के आवेदन करते समय आवेदन कर्ताओं द्वारा भुगतान की गयी प्रथम किस्त कहलाती है :

(A) आबंटन राशि

(B) आवेदन राशि

(C) याचना राशि

(D) अग्रिम याचना राशि

उत्तर - (B) आवेदन राशि

प्र.13 – निम्न में से किसके कारण अंशों का हरण किया जा सकता है ?

(A) याचना राशि का भुगतान नहीं करने पर।

(B) सभा में उपस्थित होने में असफल रहने पर।

(C) बैंक को ऋण का भुगतान नहीं करने पर।

(D) अंशों को जमानत पर गिरवी रखने पर।

उत्तर - (A) याचना राशि का भुगतान नहीं करने पर।

प्र.14 – ₹ 10 के एक समता अंश जिस पर ₹ 8 मागें गये थे परन्तु ₹ 6 प्राप्त हुए का हरण कर लिया गया। अंश पूँजी खाते को _____ से डेबिट किया जायेगा :

(A) ₹ 10

(B) ₹ 8

(C) ₹ 6

(D) ₹ 2

उत्तर - (B) ₹ 8



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.15 - निम्न रिक्त स्थान भरिए :

एक परिसम्पत्ति के मूल्य में बढ़ोतरी _____ की जाती है तथा एक परिसम्पत्ति के मूल्य में कमी _____ की जाती है।

उत्तर – डेबिट, क्रेडिट।

प्र.16 - निम्न के लिए एक शब्द का उत्तर दीजिए :

(i) कम्पनी अधिनियम 2013 द्वारा लेखांकन के कौन से आधार को मान्यता प्रदान नहीं की गयी है।

(ii) यह लेखांकन की एक पुस्तक है जिसमें परिसम्पत्तियों, देयताओं, पूँजी, व्ययों तथा राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के खाते बनाए जाते हैं।

उत्तर – (i) लेखांकन का रोकड़ आधार (Cash basis of accounting)।

(ii) खाता बही (Ledger)।

प्र.17 - निम्न वाक्य पूरा कीजिए :

सामान्य रूप से उपयोग किए जानेवाले यन्त्रों में मानीटर जो _____ तथा _____ भी कहलाता है।

उत्तर – विजुअल डिस्प्ले यूनिट (VDU) तथा प्रिंटर (मुद्रक)।

प्र.18 – निम्न का एक शब्द में उत्तर दीजिए :

(i) शेल्फ पर उपलब्ध बना बनाया साफ्ट वेयर उपयोगकर्ता की आवश्यकता अनुसार संशोधित किया जाता है।

(ii) उचंत खाते के माध्यम से शुद्ध की जानेवाले अशुद्धियाँ।

उत्तर - (i) अनुकूलित सॉफ्टवेयर (Customised software)।

(ii) एकपक्षीय अशुद्धियाँ (One-sided errors)।

प्र.19 - निम्न के लिए एक शब्द का उत्तर दीजिए :

(i) पुनर्मूल्यांकन खाते को एक अलिखित _____ का लेखा करने के लिए क्रेडिट किया जाता है।

(ii) उस परिसम्पत्ति का नाम दीजिए जिसे वसूली खाते के डेबिट पक्ष में हस्तांतरित नहीं किया जाता हैं, परन्तु फर्म के विघटन के समय जो कुछ निश्चित राशि नगद लाता है।

उत्तर - (i) परिसम्पत्ति (Asset)।

(ii) अलिखित परिसम्पत्ति (Unrecorded asset)।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.20 - निम्न रिक्त स्थान भरिए :

(i) शेष साझेदार, अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के भाग का अधिग्रहण _____ अनुपात में करते हैं।

(ii) यदि फर्म के विघटन के समय एक साझेदार फर्म की किसी देयता का भुगतान करने के लिए सहमत होता है तब _____ खाता डेबिट किया जाता है।

उत्तर - (i) लाभ प्राप्ति अनुपात (अभिलाभ अनुपात / Gaining ratio)।

(ii) वसूली खाता (Realisation Account)।

प्र.21 - लेखांकन समीकरण तैयार करते समय निम्न लेनदेनों से प्रभावित होनेवाले खातों के नाम दीजिए।

(i) ₹ 40,000 कमीशन प्राप्त हुआ।

(ii) अतुल से ₹ 25,000 का माल खरीदा।

(iii) आशा को ₹ 4,000 का फर्नीचर बेचा।

(iv) चेक द्वारा किराये का भुगतान ₹ 6,000

उत्तर – (i) रोकड़ खाता (Cash) (परिसम्पत्ति में वृद्धि होती है) तथा **पूँजी खाता (Capital)** (पूँजी में वृद्धि होती है क्योंकि आय को पूँजी में जोड़ा जाता है)।

(ii) माल / स्टॉक (Goods / Stock) (परिसम्पत्ति में वृद्धि होती है) तथा **लेनदार / अतुल (Creditors / Atul)** (देयता में वृद्धि होती है)।

(iii) देनदार / आशा (Debtors / Asha) (परिसम्पत्ति में वृद्धि होती है) तथा **फर्नीचर (Furniture)** (परिसम्पत्ति में कमी होती है)।

(iv) बैंक (Bank) (परिसम्पत्ति में कमी होती है) तथा **पूँजी (Capital)** (पूँजी में कमी होती है क्योंकि व्यय को पूँजी में से घटाया जाता है)।

प्र.22 - निम्न लेनदेनों में लेखांकन अशुद्धियों के नाम दीजिए :

(i) एक पूरानी मशीनरी की मरम्मत पर खर्च राशि को मशीनरी खाते में डेबिट किया गया।

(ii) विद्वषी को ₹ 60 के बजाय ₹ 600 से डेबिट किया गया तथा याशिका को ₹ 600 के बजाय ₹ 60 से डेबिट किया गया।

(iii) विक्रय पुस्तक का योग ₹ 5,000 से अधिक किया गया।

(iv) ₹ 30,000 के क्रय का लेखा क्रय पुस्तक में नहीं किया गया।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर – (i) सैद्धान्तिक अशुद्धि (Error of principle)।

(ii) क्षतिपूरक अशुद्धि (Compensating error)।

(iii) हिसाब की अशुद्धि / कार्य सम्बन्धी अशुद्धि (अधिक योग की अशुद्धि / Error of commission)।

(iv) भूल या चूक की अशुद्धि (Error of omission)।

प्र.23 - निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए :

(i) प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष की ओर दर्शायी गयी ऋण की मद स्थिति विवरण के किस पक्ष की ओर दर्शायी जायेगी।

(ii) उन ऋणों का नाम दीजिए जिनकी वसूली नहीं की जा सकती है।

(iii) विभिन्न देनदार ₹ 30,000 है, डूबत ऋणों के लिए 5% के प्रावधान की आवश्यकता है। संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधन की राशि की गणना कीजिए।

(iv) मूल्यह्रास को लाभ-हानि खाते के किस पक्ष की तरफ दर्शाया जाता है ?

उत्तर – (i) देयता पक्ष (Liabilities side)।

(ii) डूबत ऋण (अशोध्य ऋण / Bad debts)।

(iii) ₹ 1,500।

(iv) डेबिट पक्ष (नामे पक्ष / Debit side)।

प्र.24 - निम्न के लिए एक शब्द का उत्तर दीजिए :

(i) हरण किए गए अंशों के पुनः निर्गमन के पश्चात, अंश हरण खाते का शेष किस खाते में हस्तांतरित किया जाता है?

(ii) अंशों के लिए प्राप्त आवेदन प्रस्तावित अंशों से कम हो तो यह क्या कहलाता है ?

(iii) अंशों के हरण से पूर्व भुगतान नहीं करने वाले अंशधारक को निर्देशक मंडल की द्वारा भुगतान करने के लिए कितने दिनों का नोटिस दिया जाता है ?

(iv) अंशों के पुनः निर्गमन का अर्थ कौन से अंशों के निर्गमन से है ?

उत्तर – (i) पूँजी संचय खाता (Capital Reserve Account)।

(ii) अल्प अभिदान (न्यून अभिदान / Undersubscription)।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(iii) चौदह दिन (14 दिन)।

(iv) हरण किए गए अंश (Forfeited shares)।

प्र.25 – अस्थगित आयगत व्यय का क्या अर्थ है? इसका कोई एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर - अस्थगित आयगत व्यय से आशय ऐसे व्यय से है जो प्रकृति में तो आयगत होता है, परन्तु जिसका लाभ पूर्णतः या आंशिक रूप से आगामी लेखांकन वर्षों में भी प्राप्त होता है। यह व्यय एक लेखांकन वर्ष में किया जाता है, किन्तु इसकी उपयोगिता केवल उसी वर्ष तक सीमित नहीं रहती।

उदाहरण: बाजार में किसी नए उत्पाद को प्रस्तुत करने के लिए विज्ञापन पर किया गया भारी व्यय।

प्र.26 - एक नए साझेदार द्वारा ख्याति प्रीमियम के अपने भाग को नगद लाने तथा इसको व्यवसाय में बनाए रखने के लिए क्या रोजनामचा प्रविष्टि होगी ?

उत्तर - जब नया साझेदार पूँजी और ख्याति प्रीमियम के लिए नगद राशि लाता है और उसे व्यवसाय में ही रखा जाता है, तब निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाती हैं:

1. पूँजी और ख्याति प्रीमियम के लिए नगद राशि प्राप्त होने पर:

विवरण	डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
रोकड़ / बैंक खाता ... Dr..	प्राप्त कुल राशि	—
ख्याति प्रीमियम खाते से	—	ख्याति प्रीमियम राशि
नए साझेदार के पूँजी खाते से	—	पूँजी की राशि

2. ख्याति प्रीमियम को त्याग करने वाले साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तांतरित करने पर:

विवरण	डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
ख्याति प्रीमियम खाता ... Dr..	ख्याति प्रीमियम राशि	—
त्याग करने वाले साझेदारों के पूँजी खातों से	—	त्याग अनुपात में

ख्याति प्रीमियम की राशि को विद्यमान (पुराने) साझेदारों के बीच उनके **त्याग अनुपात (Sacrificing Ratio)** में बाँट दिया जाता है।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

एक साझेदारी फर्म के स्थिति विवरण में दर्शाया गया कामगार क्षतिपूर्ति संचय का फर्म के विघटन के समय क्या लेखा किया जायेगा ?

उत्तर - फर्म के विघटन के समय, फर्म के वास्तविक कामगार क्षतिपूर्ति दायित्व को ध्यान में रखा जाता है। यदि कोई दायित्व होता है, तो संचय में से उतनी राशि वसूली खाते में हस्तांतरित की जाती है। दायित्व की पूर्ति के पश्चात बचे हुए शेष कामगार क्षतिपूर्ति संचय को साझेदारों के पूँजी खातों में उनके लाभ-विभाजन अनुपात में बाँटकर क्रेडिट कर दिया जाता है।

प्र.27 - एक फर्म की ख्याति को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो कारकों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – 1. **व्यवसाय का स्थान (Location):** यदि कोई फर्म किसी प्रमुख या व्यावसायिक रूप से अनुकूल स्थान पर स्थित है, तो वहाँ अधिक ग्राहक आकर्षित होते हैं और बिक्री अधिक होती है, जिससे फर्म की ख्याति में वृद्धि होती है।

2. **कुशल प्रबन्ध (Efficient management):** कुशल एवं अनुभवी प्रबन्ध से फर्म की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ती है, जिससे फर्म की ख्याति में निरंतर वृद्धि होती है।

अथवा

यदि वसूली व्ययों का भुगतान एक साझेदार द्वारा किया गया है तथा इसका वहन फर्म को करना है तो इसके लिए आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टि क्या होगी ?

उत्तर -

तिथि	विवरण	खा.पृ.	डेबिट राशि (₹)	क्रेडिट राशि (₹)
	वसूली खाता (Realisation A/c) ... Dr.. साझेदार के पूँजी खाते से (To Partner's Capital A/c) (फर्म द्वारा वहन किए जाने वाले वसूली व्ययों का साझेदार द्वारा भुगतान करने पर)		XXX	 XXX

प्र.28 – ऐसे किन्हीं दो उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए जिनके लिए कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रतिभूति प्रीमियम संचय का उपयोग किया जा सकता है।

उत्तर - कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है:

1. कम्पनी के सदस्यों को पूर्णदत्त बोनस अंश निर्गमित करने के लिए।
2. कम्पनी के प्रारम्भिक व्ययों, अंशों या ऋणपत्रों के निर्गमन पर दिए गए बट्टे (छूट), अथवा अभिगोपन कमीशन या निर्गमन व्ययों को अपलिखित (Write off) करने के लिए।

अथवा



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अदत्त याचना का क्या अर्थ है ?

उत्तर – अदत्त याचना (Calls in Arrears) से आशय उस राशि से है जो कम्पनी द्वारा अंशों पर माँगी जा चुकी है, परन्तु अंशधारक द्वारा निर्धारित तिथि तक उसका भुगतान नहीं किया गया है। यह राशि अदत्त आबंटन राशि अथवा याचना राशि से संबंधित हो सकती है।

प्र.29 - एकल प्रविष्टि प्रणाली की कोई तीन विशेषताएँ समझाइए।

उत्तर - एकल प्रविष्टि प्रणाली (इकहरा लेखा प्रणाली) अपूर्ण लेखांकन अभिलेख रखने की वह पद्धति है जिसमें प्रत्येक लेनदेन के दोनों पहलुओं (डेबिट और क्रेडिट) का लेखा किया जाना आवश्यक नहीं होता। इसकी तीन मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. छोटे व्यवसायों के लिए उपयुक्त: यह प्रणाली एकल स्वामित्व और साझेदारी फर्मों जैसे छोटे व्यवसायों के लिए उपयुक्त है, जहाँ लेनदेनों की संख्या सीमित होती है।

2. रोकड़ बही का रखा जाना: इस प्रणाली में सामान्यतः एक रोकड़ बही (Cash Book) बनाई जाती है, जिसमें व्यावसायिक तथा निजी दोनों प्रकार के लेनदेनों का मिश्रण हो सकता है।

3. केवल व्यक्तिगत खातों का रखा जाना: इसमें सामान्यतः केवल व्यक्तिगत खाते (Personal Accounts) ही रखे जाते हैं, जबकि वास्तविक एवं नाममात्र के खातों का लेखा प्रायः नहीं रखा जाता।

अथवा

प्रबंधक के कमीशन की गणना कैसे की जाती है ? यदि यह शुद्ध लाभ पर कमीशन से पूर्व देय है तथा यदि यह शुद्ध लाभ पर कमीशन के पश्चात देय है। एक उदाहरण की सहायता से समझाइए।

उत्तर – प्रबंधक के कमीशन की गणना फर्म के शुद्ध लाभ के एक निश्चित प्रतिशत के रूप में की जाती है। इसका सूत्र इस बात पर निर्भर करता है कि कमीशन की गणना ऐसा कमीशन घटाने से पूर्व के लाभ पर की जानी है अथवा कमीशन घटाने के पश्चात के लाभ पर।

1. कमीशन घटाने से पूर्व शुद्ध लाभ पर कमीशन:

कमीशन = शुद्ध लाभ × (दर / 100)

उदाहरण: मान लीजिए कमीशन से पूर्व शुद्ध लाभ ₹ 1,05,000 है और कमीशन की दर 5% है।

= 1,05,000 × (5 / 100) = ₹ 5,250

2. कमीशन घटाने के पश्चात शुद्ध लाभ पर कमीशन:

कमीशन = कमीशन से पूर्व शुद्ध लाभ × [दर / (100 + दर)]



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उसी उदाहरण की राशियों का प्रयोग करने पर:

= 1,05,000 × (5 / 105) = ₹ 5,000

यहाँ कमीशन घटाने के बाद शेष लाभ ₹ 1,00,000 बचता है, और ₹ 5,000 उस राशि का ठीक 5% है।

समायोजन प्रविष्टि (Adjustment Entry):

विवरण	डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
लाभ-हानि खाता ... Dr.	कमीशन की राशि	—
देय प्रबंधक कमीशन खाते से	—	कमीशन की राशि

स्पष्टीकरण: प्रबंधक का कमीशन व्यवसाय का एक व्यय है। यदि लेखांकन वर्ष के अंत में यह अदत्त रहता है, तो इसे अदत्त व्यय माना जाता है और स्थिति विवरण के देयता पक्ष में चालू देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

प्र.30 – 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा ₹ 50,000 था।

अतिरिक्त सूचना :

(1) 1.4.2024 को अदत्त चंदा ₹ 5,000

(2) 31.3.2025 को अदत्त चंदा ₹ 3,000

(3) 1.4.2024 को अग्रिम प्राप्त चंदा ₹ 2,500

(4) 31.3.2025 को अग्रिम प्राप्त चंदा ₹ 1,000

वर्ष 2024-25 को चंदे से प्राप्त आय जिसकी खतौनी आय तथा व्यय खाते में की जायेगी की गणना कीजिए।

उत्तर – आय तथा व्यय खाते में केवल चालू लेखांकन वर्ष (2024–25) से संबंधित चंदे की आय को शामिल करने के लिए प्राप्त चंदे में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं:

विवरण	राशि (₹)
वर्ष के दौरान प्राप्त चंदा	50,000
जोड़ें: वर्ष के अंत में अदत्त चंदा (31.3.2025)	3,000
जोड़ें: वर्ष के प्रारम्भ में अग्रिम प्राप्त चंदा (1.4.2024)	2,500
घटाएँ: वर्ष के प्रारम्भ में अदत्त चंदा (1.4.2024)	(5,000)
घटाएँ: वर्ष के अंत में अग्रिम प्राप्त चंदा (31.3.2025)	(1,000)
वर्ष 2024–25 के लिए चंदे से आय	**49,500**

अंतिम उत्तर: ₹ 49,500।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

निम्न विवरणों से प्रचालन लाभ की गणना कीजिए :

विवरण	राशि (₹)
शुद्ध विक्रय	70,000
विक्रय वापसी	10,000
बेचे गए माल की लागत	5,000
कार्यालय तथा प्रशासनिक व्यय	15,000
विक्रय एवं वितरण व्यय	6,500

उत्तर –

प्रचालन लाभ (Operating Profit) = शुद्ध विक्रय – प्रचालन लागत

प्रचालन लागत = बेचे गए माल की लागत + कार्यालय तथा प्रशासनिक व्यय + विक्रय एवं वितरण व्यय

विवरण	राशि (₹)
शुद्ध विक्रय	70,000
घटाएँ: बेचे गए माल की लागत	(5,000)
घटाएँ: कार्यालय तथा प्रशासनिक व्यय	(15,000)
घटाएँ: विक्रय एवं वितरण व्यय	(6,500)
प्रचालन लाभ (Operating Profit)	**43,500**

उत्तर: ₹ 43,500।

प्र.31 – अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को किस्तों में भुगतान को समझाइए।

उत्तर – जब फर्म अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की कुल देय राशि का एकमुश्त (तुरंत) भुगतान करने की स्थिति में नहीं होती, तो वह इस राशि का निपटारा किस्तों में कर सकती है।

इसकी प्रक्रिया निम्नलिखित है:

1. **देय राशि का निर्धारण करना:** पूँजी, ख्याति, पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि, संचित लाभ या हानि तथा अन्य समायोजनों को ध्यान में रखते हुए अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की कुल देय राशि की गणना की जाती है।
2. **अदत्त राशि को ऋण खाते में हस्तांतरित करना:** तुरंत भुगतान न की गई शेष राशि को 'अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के ऋण खाते' (Retiring Partner's Loan Account) में हस्तांतरित कर दिया जाता है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **ब्याज की गणना करना:** बकाया ऋण राशि पर समझौते की दर से ब्याज दिया जाता है। किसी समझौते के अभाव में भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 37 के अनुसार अवकाश ग्रहण करने वाला साझेदार बकाया राशि पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज पाने का अधिकारी होता है।

4. **किस्तों का भुगतान करना:** प्रत्येक किस्त में मूलधन का भाग और उस अवधि का ब्याज शामिल होता है। जैसे-जैसे किस्तों का भुगतान किया जाता है, ऋण खाते का शेष कम होता जाता है।

रोजनामचा प्रविष्टियाँ (Journal Entries):

(i) आंशिक भुगतान करने और शेष राशि को ऋण खाते में हस्तांतरित करने पर:

अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार का पूँजी खाता (Retiring Partner's Capital A/c) ... Dr.

रोकड़ / बैंक खाते से (To Cash/Bank A/c)

अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के ऋण खाते से (To Retiring Partner's Loan A/c)

(ii) अदत्त शेष राशि पर ब्याज देय होने पर:

ब्याज खाता (Interest A/c) ... Dr.

अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के ऋण खाते से (To Retiring Partner's Loan A/c)

(iii) किस्त का भुगतान करने पर:

अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार का ऋण खाता (Retiring Partner's Loan A/c) ... Dr.

रोकड़ / बैंक खाते से (To Cash/Bank A/c)

अथवा

समझाइए कि एक साझेदार के प्रवेश पर एकत्रित लाभ तथा हानि का लेखांकन कैसे किया जाता है ? रोज़नामचा प्रविष्टियाँ भी कीजिए।

उत्तर – नए साझेदार के प्रवेश से पूर्व फर्म में विद्यमान संचित (एकत्रित) लाभों, संचयों तथा हानियों पर केवल पुराने साझेदारों का अधिकार होता है। इसलिए इन्हें पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में उनके पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

1. एकत्रित लाभों तथा संचयों का लेखांकन:

एकत्रित लाभों और संचयों को पुराने साझेदारों के बीच उनके पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में बाँटकर उनके पूँजी खातों में क्रेडिट किया जाता है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

रोजनामचा प्रविष्टि:

सामान्य संचय खाता (Reserve A/c) ... Dr.

लाभ-हानि खाता (क्रेडिट शेष) (Profit and Loss A/c) ... Dr.

पुराने साझेदारों के पूँजी खातों से (To Old Partners' Capital A/cs)

(पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में संचित लाभों का हस्तांतरण)

2. एकत्रित हानियों का लेखांकन:

एकत्रित हानियों को पुराने साझेदारों द्वारा उनके पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में वहन किया जाता है और उनके पूँजी खातों में डेबिट किया जाता है।

रोजनामचा प्रविष्टि:

पुराने साझेदारों के पूँजी खाते (Old Partners' Capital A/cs) ... Dr.

लाभ-हानि खाते (डेबिट शेष) से (To Profit and Loss A/c)

अस्थगित आयगत व्यय खाते से (To Deferred Revenue Expenditure A/c)

(पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में एकत्रित हानियों का हस्तांतरण)

प्र.32 - अंशों के 'अधिअभिदान' का अर्थ दीजिए। अधिअभिदान की स्थिति में कौन से विकल्प उपलब्ध होते हैं ?

उत्तर – जब किसी कम्पनी को जनता में निर्गमित (प्रस्तावित) किए गए अंशों की संख्या से अधिक अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो इस स्थिति को अंशों का 'अधिअभिदान' (Oversubscription) कहते हैं। कोई भी कम्पनी जनता को प्रस्तावित किए गए अंशों से अधिक अंशों का आबंटन नहीं कर सकती।

अधिअभिदान की स्थिति में उपलब्ध विकल्प:

1. अतिरिक्त आवेदनों को अस्वीकार करना: कम्पनी कुछ आवेदनों को पूर्णतः अस्वीकार कर सकती है और उन आवेदकों से प्राप्त आवेदन राशि उन्हें वापस (Refund) कर सकती है।

2. आंशिक अथवा यथानुपात आबंटन करना (Pro-rata Allotment): कम्पनी सभी या चुने हुए आवेदकों को एक निश्चित अनुपात में अंश आबंटित कर सकती है तथा अतिरिक्त आवेदन राशि को आबंटन या आगामी याचनाओं पर देय राशि में समायोजित कर सकती है।

3. दोनों विकल्पों का मिश्रित प्रयोग करना: कम्पनी कुछ आवेदनों को अस्वीकार करके उनकी राशि लौटा सकती है और शेष आवेदकों को यथानुपात आबंटन कर सकती है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

इस प्रकार कम्पनी को अतिरिक्त आवेदनों का निपटारा स्वीकृत आबंटन, राशि की वापसी अथवा समायोजन द्वारा करना होता है।

प्र.33 - अंशों के पुनः निर्गमन का क्या अर्थ है ? मूलतः सममूल्य पर निर्गमित किए गए अंशों को प्रीमियम पर पुनः निर्गमित करने के लिए आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर – अंशों के पुनः निर्गमन (Reissue of Shares) से आशय उन अंशों को फिर से जारी करने से है जिनका आबंटन या याचना राशि का भुगतान न होने के कारण कम्पनी द्वारा हरण (Forfeiture) कर लिया गया था।

जब मूल रूप से सममूल्य पर निर्गमित किए गए हरण अंशों को प्रीमियम पर पुनः निर्गमित किया जाता है, तो प्राप्त प्रीमियम राशि को 'प्रतिभूति प्रीमियम खाते' (Securities Premium Account) में क्रेडिट किया जाता है।

रोजनामचा प्रविष्टियाँ (Journal Entries):

(i) हरण किए गए अंशों को प्रीमियम पर पुनः निर्गमित करने पर:

बैंक खाता (Bank A/c) ... Dr. — (प्राप्त कुल राशि)

अंश पूँजी खाते से (To Share Capital A/c) — (प्रदत्त या अंकित मूल्य)

प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (To Securities Premium A/c) — (प्राप्त प्रीमियम राशि)

(ii) पुनः निर्गमित अंशों से संबंधित अंश हरण खाते के शेष को पूँजी संचय में हस्तांतरित करने पर:

अंश हरण खाता (Share Forfeited A/c) ... Dr.

पूँजी संचय खाते से (To Capital Reserve A/c)

पूँजी संचय में हस्तांतरित की जाने वाली राशि पुनः निर्गमित अंशों पर जब्त की गई राशि में से पुनः निर्गमन पर दी गई छूट को घटाकर निकाली जाती है। चूँकि यहाँ अंश प्रीमियम पर पुनः निर्गमित किए गए हैं, इसलिए कोई छूट नहीं दी गई है और पूरी जब्त राशि पूँजी संचय में हस्तांतरित होती है।

अथवा

अंशों के हरण की कार्यविधि समझाइए।

उत्तर – अंशों के हरण की कार्यविधि निम्नलिखित चरणों में पूर्ण की जाती है:

1. **अधिकार (Authority):** कम्पनी के अंतर्नियमों (Articles of Association) द्वारा निदेशक मंडल को अंशों का हरण करने के लिए अधिकृत किया जाना आवश्यक है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **दोषी अंशधारक को सूचना (Notice to Defaulting Shareholder):** निदेशक मंडल द्वारा बकाया राशि (ब्याज सहित या रहित) के भुगतान हेतु दोषी अंशधारक को कम-से-कम 14 दिनों का लिखित नोटिस दिया जाना चाहिए।

3. **हरण की चेतावनी (Warning of Forfeiture):** इस नोटिस में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख होना चाहिए कि निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान न करने पर संबंधित अंशों का हरण कर लिया जाएगा।

4. **निदेशक मंडल का प्रस्ताव (Board Resolution):** यदि नोटिस की अवधि समाप्त होने पर भी अंशधारक भुगतान करने में असफल रहता है, तो निदेशक मंडल एक प्रस्ताव पारित करके उन अंशों का हरण कर लेता है।

5. **हरण की सूचना भेजना (Communication):** अंश हरण के निर्णय की सूचना संबंधित अंशधारक को भेजी जाती है और उससे आबंटन पत्र व अंश प्रमाण-पत्र लौटाने को कहा जाता है।

प्र.34 - 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गोयल एण्ड संस के निम्न तलपट से, 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ हानि खाता तथा उसी तिथि तक का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

31 मार्च 2025 को तलपट

विवरण	**डेबिट शेष (₹)**	**विवरण**	**क्रेडिट शेष (₹)**
आरम्भिक स्टॉक (1.4.2024)	28,000	क्रय वापसी	4,300
क्रय	34,300	विक्रय	1,40,000
वेतन	16,000	प्राप्त बट्टा	35,000
डूबत ऋण	5,400	पूँजी	68,500
मजदूरी	6,800	देय बिल	10,200
बीमा	1,000	लेनदार	23,300
व्यापारिक व्यय	2,200		
आहरण	20,000		
बैंक में नगद	92,000		
रोकड़ हस्ते	50,000		
देनदार	25,600		
कुल योग	**2,81,300**	**कुल योग**	**2,81,300**

अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 7,200 किया गया।

उत्तर – चरण 1: व्यापार खाता (Trading Account)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गोयल एण्ड संस का व्यापार खाता



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

डेबिट (Dr.) विवरण	राशि (₹)	क्रेडिट (Cr.) विवरण	राशि (₹)
आरम्भिक स्टॉक	28,000	विक्रय	1,40,000
क्रय	34,300	अंतिम स्टॉक	7,200
घटाएँ: क्रय वापसी	(4,300)		
शुद्ध क्रय	30,000		
मजदूरी	6,800		
व्यापारिक व्यय	2,200		
सकल लाभ आ/ले (Gross Profit c/d)	80,200		
कुल योग	**1,47,200**	**कुल योग**	**1,47,200**

सकल लाभ (Gross Profit) की गणना:

शुद्ध क्रय = 34,300 − 4,300 = ₹ 30,000

अंतिम स्टॉक से पूर्व लागत = 28,000 + 30,000 + 6,800 + 2,200 = ₹ 67,000

बेचे गए माल की लागत = 67,000 − 7,200 = ₹ 59,800

सकल लाभ = 1,40,000 − 59,800 = ₹ 80,200

चरण 2: लाभ-हानि खाता (Profit and Loss Account)

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गोयल एण्ड संस का लाभ-हानि खाता

डेबिट (Dr.) विवरण	राशि (₹)	क्रेडिट (Cr.) विवरण	राशि (₹)
वेतन	16,000	सकल लाभ नी/ला (Gross Profit b/d)	80,200
डूबत ऋण	5,400	प्राप्त बट्टा	35,000
बीमा	1,000		
शुद्ध लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)	92,800		
कुल योग	**1,15,200**	**कुल योग**	**1,15,200**

शुद्ध लाभ (Net Profit) की गणना:

कुल आय = 80,200 + 35,000 = ₹ 1,15,200

कुल व्यय = 16,000 + 5,400 + 1,000 = ₹ 22,400



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

शुद्ध लाभ = 1,15,200 – 22,400 = ₹ 92,800

चरण 3: स्थिति विवरण (Balance Sheet)

31 मार्च 2025 को गोयल एण्ड संस का स्थिति विवरण

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
पूँजी	68,500	अंतिम स्टॉक	7,200
जोड़ें: शुद्ध लाभ	92,800	देनदार	25,600
घटाएँ: आहरण	(20,000)	बैंक में नगद	92,000
समायोजित पूँजी	1,41,300	रोकड़ हस्ते	50,000
देय बिल	10,200		
लेनदार	23,300		
कुल योग	**1,74,800**	**कुल योग**	**1,74,800**

अथवा

सीनियर सिटीजन क्लब, दिल्ली के 31 दिसम्बर 2025 को समाप्त हुए वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय तथा व्यय खाता तैयार कीजिए।

31 दिसम्बर 2025 को समाप्त वर्ष के लिए सीनियर सिटीजन क्लब, दिल्ली का प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
शेष नीचे लाए	28,000	किराया	6,700
चंदा	34,000	स्टेशनरी	3,600
प्रवेश शुल्क	1,000	वेतन	5,800
निवेशों की बिक्री	12,500	उपकरणों का क्रय	25,000
पुराने फर्नीचर की बिक्री (पुस्तक मूल्य ₹ 3,500)	2,300	मनोरंजन व्यय	10,400
दान	5,800	मिश्रित व्यय	8,600
		फर्नीचर क्रय	4,500
		शेष नीचे ले गए	19,000
कुल योग	**83,600**	**कुल योग**	**83,600**

अतिरिक्त सूचना :

अदत्त चंदा ₹ 500 था।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर – आय तथा व्यय खाते में केवल चालू लेखांकन अवधि की आयगत प्राप्तियों और आयगत व्ययों को शामिल किया जाता है। पूँजीगत प्राप्तियों और पूँजीगत भुगतानों को इसमें शामिल नहीं किया जाता।

31 दिसम्बर 2025 को समाप्त वर्ष के लिए सीनियर सिटीजन क्लब, दिल्ली का आय तथा व्यय खाता

व्यय (Expenditure)	राशि (₹)	आय (Income)	राशि (₹)
किराया	6,700	चंदा (₹ 34,000 + ₹ 500 अदत्त)	34,500
स्टेशनरी	3,600	प्रवेश शुल्क	1,000
वेतन	5,800	दान*	5,800
मनोरंजन व्यय	10,400		
मिश्रित व्यय	8,600		
पुराने फर्नीचर की बिक्री पर हानि	1,200		
आधिक्य (व्यय पर आय का आधिक्य)	5,000		
कुल योग	**41,300**	**कुल योग**	**41,300**

कार्यकारी टिप्पणियाँ (Working Notes):

1. चंदे से आय = ₹ 34,000 + ₹ 500 (अदत्त चंदा) = ₹ 34,500।
2. पुराने फर्नीचर की बिक्री पर हानि = पुस्तक मूल्य – विक्रय मूल्य = ₹ 3,500 – ₹ 2,300 = ₹ 1,200।
3. निवेशों की बिक्री, पुराने फर्नीचर की बिक्री से प्राप्त राशि, उपकरणों का क्रय तथा फर्नीचर का क्रय पूँजीगत लेनदेन हैं, अतः इन्हें छोड़ दिया गया है। केवल पुराने फर्नीचर की बिक्री पर हुई हानि (₹ 1,200) को व्यय में दिखाया गया है।
4. आधिक्य (Surplus) = कुल आय – आधिक्य से पूर्व कुल व्यय = ₹ 41,300 – ₹ 36,300 = **₹ 5,000।**

(*चूँकि दान का कोई विशिष्ट उद्देश्य नहीं दिया गया है, इसलिए इसे सामान्य आयगत दान मानकर आय पक्ष में दर्शाया गया है।)

प्र.35 – A, B तथा C एक फर्म के साझेदार के तथा 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बांटते थे। 31 मार्च 2025 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था।

31 मार्च 2025 को A, B तथा C का स्थिति विवरण

देयताएँ	राशि (₹)	परिसम्पत्तियाँ	राशि (₹)
लेनदार	30,000	भूमि	85,000
देय बिल	20,000	भवन	50,000
अदत्त व्यय	25,000	संयन्त्र	1,00,000



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सामान्य संचय	50,000	स्टॉक	40,000
पूँजी A 50,000 B 60,000 C 70,000	1,80,000	देनदार नगद	25,000 5,000
कुल योग	**3,05,000**	**कुल योग**	**3,05,000**

1 अप्रैल 2025 से साझेदारों ने लाभ 1 : 1 : 3 के अनुपात में बांटने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य के लिए यह सहमति हुई कि :

(i) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 60,000 किया जायेगा।

(ii) भूमि का पुनर्मूल्यांकन ₹ 1,00,000 किया जायेगा। भवन पर 6% मूल्यह्रास लगाया जायेगा।

(iii) ₹ 3,000 के लेनदारों को भुगतान नहीं किया जायेगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

उत्तर –

पुनर्मूल्यांकन खाता (Revaluation Account)

डेबिट (Dr.) विवरण	राशि (₹)	क्रेडिट (Cr.) विवरण	राशि (₹)
भवन खाता (6% मूल्यह्रास)	3,000	भूमि खाता (मूल्य में वृद्धि)	15,000
पुनर्मूल्यांकन पर लाभ साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तांतरित (2:2:1): A का पूँजी खाता : ₹ 6,000 B का पूँजी खाता : ₹ 6,000 C का पूँजी खाता : ₹ 3,000	15,000	लेनदार खाता (अब देय नहीं)	3,000
कुल योग	**18,000**	**कुल योग**	**18,000**

साझेदारों के पूँजी खाते (Partners' Capital Accounts)

डेबिट विवरण	A (₹)	B (₹)	C (₹)	क्रेडिट विवरण	A (₹)	B (₹)	C (₹)
A के पूँजी खाते से (ख्याति)	—	—	12,000	शेष नीचे लाए (Balance b/d)	50,000	60,000	70,000



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

B के पूँजी खाते से (ख्याति)	—	—	12,000	सामान्य संचय खाता (2:2:1)	20,000	20,000	10,000
शेष आगे ले गए (Balance c/d)	88,000	98,000	59,000	पुनर्मूल्यांकन खाता (लाभ)	6,000	6,000	3,000
				C के पूँजी खाते द्वारा (ख्याति)	12,000	12,000	—
कुल योग	**88,000**	**98,000**	**83,000**	**कुल योग**	**88,000**	**98,000**	**83,000**

1 अप्रैल 2025 को पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण

देयताएँ (Liabilities)	राशि (₹)	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (₹)
लेनदार (₹ 30,000 − ₹ 3,000)	27,000	भूमि (₹ 85,000 + ₹ 15,000)	1,00,000
देय बिल	20,000	भवन (₹ 50,000 − ₹ 3,000)	47,000
अदत्त व्यय	25,000	संयन्त्र	1,00,000
पूँजी खाते:		स्टॉक	40,000
A : ₹ 88,000		देनदार	25,000
B : ₹ 98,000		नगद	5,000
C : ₹ 59,000	2,45,000		
कुल योग	**3,17,000**	**कुल योग**	**3,17,000**

प्र.36 – डब्ल्यू एक्स लिमिटेड ₹ 10 प्रत्येक के 2,00,000 समता अंशों की अधिकृत पूँजी के साथ पंजीकृत है। कम्पनी ने जनता के अभिदान हेतु 1,50,000 अंश प्रस्तावित किए। 1,45,000 अंश अभिदत्त हुए। सभी याचनाएँ माँग ली गयी तथा 5,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश की अन्तिम याचना को छोड़कर सभी विधिवत्त प्राप्त हो गयी।

कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कम्पनी के स्थिति विवरण में अंश पूँजी दर्शाइए।

उत्तर – डब्ल्यू एक्स लिमिटेड की अंश पूँजी (Share Capital of WX Ltd.)

विवरण	राशि (₹)
अधिकृत अंश पूँजी (Authorised Share Capital):	
₹ 10 प्रत्येक के 2,00,000 समता अंश	20,00,000
निर्गमित अंश पूँजी (Issued Share Capital):	
₹ 10 प्रत्येक के 1,50,000 समता अंश	15,00,000
अभिदत्त एवं याचित अंश पूँजी (Subscribed and Called-up Share Capital):	



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

₹ 10 प्रत्येक के 1,45,000 समता अंश	14,50,000
घटाएँ: अदत्त याचना (Calls in Arrears: 5,000 अंश × ₹ 3)	(15,000)
प्रदत्त अंश पूँजी (Paid-up Share Capital)	**14,35,000**

अंतिम उत्तर: प्रदत्त अंश पूँजी (Paid-up Share Capital) = ₹ 14,35,000।

अदत्त अंतिम याचना की राशि ₹ 15,000 (5,000 अंश × ₹ 3) है, जिसे प्रदत्त अंश पूँजी ज्ञात करने के लिए याचित पूँजी (₹ 14,50,000) में से घटाया गया है।

अथवा

आर्या लिमिटेड ने ₹ 10 प्रत्येक के 10,000 अंशों को निर्गमित करने के लिए आवेदन आमन्त्रित किए राशि का भुगतान निम्न प्रकार से करना था :

आवेदन पर ₹ 2 प्रति अंश

आंबटन पर ₹ 3 प्रति अंश

प्रथमयाचना पर ₹ 2 प्रति अंश

दूसरी तथा अन्तिम याचना पर ₹ 3 प्रति अंश

9,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदकों को अंशों का पूर्ण आबंटन कर दिया गया।

जीतू को छोड़कर जिसे 300 अंशों का आंबटन किया गया था ने आबंटन राशि का भुगतान नहीं किया जिसका भुगतान उसने प्रथम याचना के साथ किया, सभी राशि प्राप्त हो गयी। अन्तिम याचना अभी तक मांगी नहीं गयी थी।

उपरोक्त लेनदेनों के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ जारी करें।

उत्तर –

आर्या लिमिटेड की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ

सं.	विवरण	डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
1	बैंक खाता (Bank A/c) ... Dr. अंश आवेदन खाते से (To Share Application A/c) (9,000 अंशों पर ₹ 2 प्रति अंश की दर से आवेदन राशि प्राप्त होने पर)	18,000 —	— 18,000
2	अंश आवेदन खाता (Share Application A/c) ... Dr. अंश पूँजी खाते से (To Share Capital A/c) (आवेदन राशि को अंश पूँजी खाते में हस्तांतरित करने पर)	18,000 —	— 18,000



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3	अंश आबंटन खाता (Share Allotment A/c) ... Dt. अंश पूँजी खाते से (To Share Capital A/c) (9,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश की दर से आबंटन राशि देय होने पर)	27,000 —	— 27,000
4	बैंक खाता (Bank A/c) ... Dr. अदत्त याचना खाता (Calls-in-Arrears A/c) ... Dr. अंश आबंटन खाते से (To Share Allotment A/c) (जीतू के 300 अंशों पर ₹ 900 को छोड़कर शेष आबंटन राशि प्राप्त होने पर)	26,100 900 —	— — 27,000
5	अंश प्रथम याचना खाता (Share First Call A/c) ... Dr. अंश पूँजी खाते से (To Share Capital A/c) (9,000 अंशों पर ₹ 2 प्रति अंश की दर से प्रथम याचना देय होने पर)	18,000 —	— 18,000
6	बैंक खाता (Bank A/c) ... Dr. अंश प्रथम याचना खाते से (To Share First Call A/c) अदत्त याचना खाते से (To Calls-in-Arrears A/c) (प्रथम याचना राशि तथा जीतू द्वारा आबंटन की बकाया राशि प्राप्त होने पर)	18,900 — —	— 18,000 900

टिप्पणियाँ (Notes):

- प्रस्तावित 10,000 अंशों के विरुद्ध 9,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। यह अल्प-अभिदान (Undersubscription) की स्थिति है, अतः सभी गणनाएँ 9,000 अंशों पर की गई हैं।
- जीतू द्वारा आबंटन पर न चुकाई गई अदत्त राशि = 300 अंश × ₹ 3 = ₹ 900।
- प्रथम याचना के समय जीतू ने आबंटन की बकाया राशि ₹ 900 का भुगतान प्रथम याचना के साथ कर दिया। सभी 9,000 अंशों पर प्रथम याचना की देय राशि ₹ 18,000 है, जिससे प्रथम याचना के समय बैंक में कुल ₹ 18,900 (₹ 18,000 + ₹ 900) प्राप्त हुए।
- दूसरी तथा अंतिम याचना अभी तक माँगी नहीं गई है; इसलिए उसके लिए कोई प्रविष्टि नहीं की गई है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खण्ड - B

वैकल्पिक मॉड्यूल - I

प्र.37 – तरलता मापने के दो आधारभूत तरीके हैं :

(A) इनवेंट्री आवर्त अनुपात तथा चालू अनुपात

(B) चालू अनुपात तथा तरल अनुपात

(C) सकल लाभ अनुपात तथा प्रचालन अनुपात

(D) चालू अनुपात तथा औसत एकत्रण अवधि

उत्तर - (B) चालू अनुपात तथा तरल अनुपात

प्र.38 – प्रचालन गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह की गणना करते समय निम्न में से कौन सा घटाया जायेगा ?

(A) पूर्वदत्त व्ययों में कमी

(B) व्यापार देयों में बढ़ोतरी

(C) व्यापार प्राप्यों में बढ़ोतरी

(D) व्यापार प्राप्यों में कमी

उत्तर - (C) व्यापार प्राप्यों में बढ़ोतरी

प्र.39 – वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह का उदाहरण दीजिए।

(A) परिचालनों से क्रेडिट आय

(B) शेयरों के जारी से नगद प्राप्ति

(C) निवेशों का विक्रय

(D) व्याज की प्राप्ति

उत्तर - (B) शेयरों के जारी से नगद प्राप्ति

प्र.40 – यदि विभिन्न देनदार ₹ 20,000; विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ ₹ 30,000; रोकड़ ₹ 10,000 बैंक अधिविकर्ष ₹ 14,000; लेनदार ₹ 16,000 हैं तो चालू अनुपात क्या होगा ?

(A) 2 : 1

(B) 1 : 1

(C) 1.5 : 1

(D) 1 : 2

उत्तर - (A) 2 : 1

प्र.41 – यदि कुल प्रचालन आगम ₹ 2,70,000; प्रचालनों से उधार आगम ₹ 1,80,000; आरम्भिक व्यापार प्राप्य ₹ 32,000; अन्तिम व्यापार प्राप्य ₹ 40,000 हैं तब व्यापार प्राप्य आवर्त अनुपात होगा :

(A) 2.5 गुना

(B) 5 गुना

(C) 9 गुना

(D) 7.5 गुना

उत्तर - (B) 5 गुना



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.42 – अंशों के प्रीमियम पर निर्गमन को _____ के रूप में दर्शाया जाता है।

(A) प्रचालन गतिविधियों के अन्तर्गत अन्तर्वाह। **(B) वित्तीयन गतिविधियों के अन्तर्गत अन्तर्वाह ।**

(C) निवेश गतिविधियों के अन्तर्गत अन्तर्वाह । **(D) वित्तीयन गतिविधियों के अन्तर्गत बहिर्वाह।**

उत्तर - (B) वित्तीयन गतिविधियों के अन्तर्गत अन्तर्वाह ।

प्र.43 – निम्न वाक्य पूरे कीजिए :

(i) एक फर्म की दीर्घ कालीन देयताओ का भुगतान करने की योग्यता का आकलन _____ अनुपातों से किया जाता है।

(ii) स्टॉक की हानि अथवा भूचाल से हुई हानि पर बीमा कम्पनी से प्राप्त राशि को _____ गतिविधियों से हुए रोकड़ प्रवाह के रूप में असमान्य मदों के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

उत्तर – (i) शोधन क्षमता अनुपात (Solvency ratios)। (ii) प्रचालन (Operating) गतिविधियों।

प्र.44 – रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करते समय लाभांश प्रबंधन को समझाइए।

उत्तर – प्रस्तावित लाभांश को गैर-प्रचालन मद माना जाता है क्योंकि इसकी घोषणा स्थिति विवरण बनने के पश्चात वार्षिक साधारण सभा में की जाती है।

रोकड़ प्रवाह विवरण में इसका व्यवहार निम्न प्रकार किया जाता है:

1. **लाभ में समायोजन:** प्रचालन गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह की गणना करते समय चालू वर्ष के प्रस्तावित लाभांश को कर एवं असाधारण मदों से पूर्व का शुद्ध लाभ ज्ञात करने के लिए चालू वर्ष के लाभ में वापस जोड़ दिया जाता है।
2. **वास्तविक लाभांश भुगतान:** वर्ष के दौरान वास्तव में भुगतान किए गए लाभांश (गत वर्ष के प्रस्तावित लाभांश) को वित्तीयन गतिविधियों के अन्तर्गत रोकड़ के बहिर्वाह के रूप में दर्शाया जाता है।

अतः केवल प्रस्तावित होने मात्र से यह प्रचालन गतिविधियों से जनित रोकड़ को कम नहीं करता।

प्र.45 – निम्न सूचना से इंवेटरी आवर्त अनुपात को गणना कीजिए :

प्रचालनो से आगम ₹ 2,00,000

सकल लाभ - ₹ 40,000

औसत इंवेटरी - ₹ 20,000

उत्तर – सूत्र:

इन्वेंट्री आवर्त अनुपात = प्रचालनों से आगम की लागत / औसत इन्वेंट्री



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

चरण 1: प्रचालनों से आगम की लागत (Cost of Revenue from Operations) की गणना:

प्रचालनों से आगम की लागत = प्रचालनों से आगम – सकल लाभ

= 2,00,000 – 40,000

= ₹ 1,60,000

चरण 2: इन्वेंट्री आवर्त अनुपात (Inventory Turnover Ratio) की गणना:

इन्वेंट्री आवर्त अनुपात = 1,60,000 / 20,000 = 8 गुना

अंतिम उत्तर: 8 गुना।

प्र.46 – प्रचालन गतिविधियों का क्या अर्थ है ? प्रचालन गतिविधियों में सम्मिलित किन्हीं दो मदों की सूची दीजिए।

उत्तर – प्रचालन गतिविधियाँ किसी व्यवसाय की प्रमुख आगम (राजस्व) उत्पन्न करने वाली गतिविधियाँ होती हैं। ये उपक्रम के सामान्य व्यावसायिक संचालन से उत्पन्न होती हैं और इनमें निवेश या वित्तीयन गतिविधियाँ शामिल नहीं होतीं।

प्रचालन गतिविधियों में सम्मिलित दो मदें निम्नलिखित हैं:

1. माल के विक्रय तथा सेवाओं के प्रदान करने से प्राप्त रोकड़।
2. माल तथा सेवाओं के आपूर्तिकर्ताओं को किया गया रोकड़ भुगतान।

अन्य उदाहरणों में कमीशन व शुल्क से रोकड़ प्राप्ति, कर्मचारियों को वेतन व मजदूरी का भुगतान तथा आयकर का भुगतान या वापसी शामिल हैं।

प्र.47 – 31 मार्च 2025 को ए बी सी लिमिटेड के दिए गए स्थिति विवरण से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए :

स्थिति विवरण

विवरण	नोट्स सं	31.3.2025 (₹)	31.3.2024 (₹)
I. समता तथा देयताएँ :			
(1) अंशधारक निधियाँ			
a. अंश पूँजी		70,000	60,000
b. संचय तथा आधिक्य		30,000	8,000
(2) अचल देयताएँ			
दीर्घकालीन उधार (ऋणपत्र)		50,000	60,000
(3) चालू देयताएँ			
व्यापार देय		45,000	10,000



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

कुल		**1,95,000**	**1,38,000**
II. परिसम्पत्तियाँ :			
(1) अचल परिसम्पत्तियाँ :			
a. सम्पत्ति, संयन्त्र तथा उपकरण तथा अमूर्त परिसम्पत्तियाँ (मशीनरी)		50,000	38,000
b. अचल निवेश		70,000	50,000
(2) चालू परिसम्पत्तियाँ :			
a. विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ		15,000	5,000
b. इंन्वेटरी		40,000	15,000
c. रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य		20,000	30,000
कुल		**1,95,000**	**1,38,000**

उत्तर –

विवरण	राशि विवरण (₹)	कुल राशि (₹)
(A) प्रचालन गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह		
वर्ष का शुद्ध लाभ (30,000 – 8,000)	22,000	
जोड़ें: व्यापार देयों में वृद्धि (45,000 – 10,000)	35,000	
घटाएँ: इन्वेंट्री में वृद्धि (40,000 – 15,000)	(25,000)	
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध रोकड़ प्रवाह		**32,000**
(B) निवेश गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह		
संयन्त्र एवं मशीनरी का क्रय (50,000 – 38,000)	(12,000)	
अचल निवेशों का क्रय (70,000 – 50,000)	(20,000)	
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध रोकड़		**(32,000)**
(C) वित्तीयन गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह		
अंश पूँजी का निर्गमन (70,000 – 60,000)	10,000	
ऋणपत्रों का शोधन / भुगतान (60,000 – 50,000)	(10,000)	
वित्तीयन गतिविधियों से शुद्ध रोकड़ प्रवाह		**—**
(D) रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य में शुद्ध वृद्धि (A + B + C)		—
जोड़ें: आरम्भिक रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य (₹ 30,000 + ₹ 5,000 विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ)		35,000



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अंतिम रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य (₹ 20,000 + ₹ 15,000 विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ)		35,000



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

वैकल्पिक मॉड्यूल - II (वित्तीय लेखांकन में कम्प्यूटर का प्रयोग)

प्र.37 – यह एक प्रतिनिधित्व करनेवाला डेटा मॉडल है जिसके माध्यम से ई आर (ईकाई –संबंध) डिजाइन को अन्तर संबंधित डेटा सारणियों में परिवर्तित किया जाता है :

(A) अवधारणा डिजाइन

(B) आवश्यकता डिजाइन

(C) डेटा आधार डिजाइन

(D) तार्किक डिजाइन

उत्तर - (D) तार्किक डिजाइन

प्र.38 – एम एस एक्सेस का वह घटक जिससे एस क्यू एल अनुकूल क्वैरी कथन, डेटा स्टोर तथा डेटा एवं सूचना पुनः प्राप्त की जा सकती है कहलाता है :

(A) टेबल

(B) क्वैरी

(C) फार्म

(D) रिपोर्ट

उत्तर - (B) क्वैरी

प्र.39 – डेटा का यह प्रकार यूनिवर्सल रिसोर्स लॉकेटर (यू आर एल) तथा ई-मेल पते स्टोर करता है :

(A) हाइपर लिंक

(B) मेमो

(C) टेक्स्ट

(D) ओ एल ई आब्जेक्ट

उत्तर - (A) हाइपर लिंक

प्र.40 – निम्न में से कौन सा घटक पे रोल लेखांकन में जोड़ा नहीं जाता है ?

(A) महंगाई वेतन

(B) महंगाई भत्ता

(C) भविष्य निधि

(D) मकान किराया भत्ता

उत्तर - (C) भविष्य निधि

प्र.41 – ग्राफ तथा चार्ट डेटा का चित्र द्वारा प्रस्तुतीकरण है जिसकी न्यूनतम _____ आकार संबंध होते है।

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

उत्तर - (B) दो



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.42 – निम्न में से कौन सा एम एस ऐक्सेस का एक घटक नहीं है ?

(A) टेबल **(B) क्वेरी**

(C) फार्म **(D) स्प्रेडशीट**

उत्तर - (D) स्प्रेडशीट

प्र.43 – मूल वेतन अर्जित करने का मूल घटक है; मूल वेतन x _____ / _____ ।

उत्तर – अर्जित मूल वेतन की गणना का सूत्र:

अर्जित मूल वेतन (BPE) = मूल वेतन (BP) × [प्रभावी उपस्थिति के दिन (NOEDP) / महीने में कुल दिन (NODM)]

जहाँ:

- BPE = अर्जित मूल वेतन (Basic Pay Earned)
- BP = मूल वेतन (Basic Pay)
- NOEDP = प्रभावी उपस्थिति के दिनों की संख्या (Number of Effective Days Present)
- NODM = महीने में कुल दिनों की संख्या (Number of Days in a Month)

महीने के कुल दिनों में से अवैतनिक अवकाश और अनधिकृत अनुपस्थिति के दिनों को घटाकर प्रभावी उपस्थिति के दिनों की संख्या ज्ञात की जाती है।

प्र.44 – नियमित टेक्स्ट प्रारूपण का उपयोग करते हुए चार्ट घटकों में टेक्स्ट प्रारूपण के चरणों को समझाइए।

उत्तर – एम एस एक्सेल में चार्ट घटकों के टेक्स्ट आकार (Font Size) को प्रारूपित करने के चरण निम्नलिखित हैं:

1. **चार्ट घटक का चयन करें:** उस चार्ट घटक पर क्लिक करें जिसके टेक्स्ट का आकार बदलना है।
2. **टेक्स्ट को चुनें:** टेक्स्ट को सीधे सिलेक्ट करें या उस पर राइट-क्लिक करें।
3. **प्रारूपण विकल्प खोलें:** मिनी टूलबार से विकल्प चुनें अथवा रिबन पर 'Home' टैब पर जाएँ।
4. **फ़ॉन्ट आकार बदलें:** 'Home' टैब के 'Font' समूह में वांछित फ़ॉन्ट आकार (Font Size) चुनें और उसे चयनित टेक्स्ट पर लागू करें।

इन चरणों द्वारा चार्ट शीर्षक, अक्ष शीर्षक और डेटा लेबल आदि का टेक्स्ट आकार आसानी से बदला जा सकता है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.45 – पाई चार्ट तथा बार चार्ट में अन्तर दीजिए।

उत्तर –

अन्तर का आधार	पाई चार्ट (Pie Chart)	बार चार्ट (Bar Chart)
अर्थ	पाई चार्ट विभिन्न तत्वों के सापेक्षिक भाग (हिस्से) को प्रदर्शित करता है।	बार चार्ट विभिन्न श्रेणियों के निरपेक्ष मूल्यों की तुलना करता है।
प्रस्तुतीकरण	इसमें डेटा को एक वृत्त के खंडों (Slices) के रूप में दर्शाया जाता है।	इसमें डेटा को अलग-अलग लंबाई या ऊँचाई वाले दण्डों (Bars) द्वारा दर्शाया जाता है।
मुख्य उद्देश्य	यह दिखाना कि विभिन्न घटक कुल योग में कितना योगदान करते हैं।	विभिन्न श्रेणियों या बिंदुओं के बीच मात्राओं की आपस में तुलना करना।
उदाहरण	कुल व्यय में विभिन्न व्यय मदों के प्रतिशत भाग को दर्शाना।	विभिन्न उत्पादों की बिक्री की आपस में तुलना करना।

निष्कर्ष: पाई चार्ट कुल योग में विभिन्न घटकों के सापेक्षिक अनुपात को दर्शाने के लिए उपयुक्त है, जबकि बार चार्ट विभिन्न श्रेणियों के निरपेक्ष मूल्यों की परस्पर तुलना करने के लिए उपयुक्त है।

प्र.46 – पे रोल लेखांकन में कटौती की जानेवाली किन्हीं तीन मदों को समझाइए।

उत्तर – पे रोल लेखांकन में कर्मचारी के कुल उपार्जन में से विभिन्न कटौतियाँ घटाकर शुद्ध वेतन ज्ञात किया जाता है। तीन प्रमुख कटौतियाँ निम्नलिखित हैं:

1. भविष्य निधि (Provident Fund - PF): यह कर्मचारी की सामाजिक सुरक्षा हेतु की जाने वाली एक वैधानिक कटौती है, जिसकी गणना लागू वेतन आधार के एक निश्चित प्रतिशत के रूप में की जाती है।

2. स्रोत पर कर की कटौती (Tax Deduction at Source - TDS): यह कर्मचारी के वेतन में से उसके वार्षिक आयकर दायित्व के भुगतान हेतु की जाने वाली मासिक कटौती है।

3. ऋण की किस्तों की वसूली (Recovery of Loan Instalments): यदि कर्मचारी ने नियोक्ता से कोई ऋण या अग्रिम लिया है, तो उसके पुनर्भुगतान हेतु वेतन से प्रति माह निश्चित किस्त काटी जाती है।

कुल कटौतियों की गणना निम्न प्रकार की जाती है:

कुल कटौतियाँ (TD) = भविष्य निधि (PF) + स्रोत पर कर कटौती (TDS) + ऋण वसूली (LOAN)

इसके पश्चात शुद्ध वेतन की गणना निम्न प्रकार होती है:

शुद्ध वेतन (Net Salary) = कुल उपार्जन (Total Earnings) – कुल कटौतियाँ (Total Deductions)



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्र.47 – डेटा आधार क्या है? एक डेटा आधार की सरंचना की प्रक्रिया में आवश्यक घटकों को समझाइए।

उत्तर – डेटा आधार (Database) परस्पर संबंधित डेटा का एक सुव्यवस्थित डिजिटल संग्रह है, जिसे निर्णय लेने हेतु उपयोगी सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए संचित किया जाता है।

डेटा आधार की संरचना की प्रक्रिया में आवश्यक घटक:

(i) आवश्यकता विश्लेषण (Requirement Analysis): इसमें संगठन की सूचना आवश्यकताओं, संचित किए जाने वाले डेटा, उपयोगकर्ताओं तथा उपलब्ध हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर की पहचान की जाती है।

(ii) अवधारणा डिजाइन (Conceptual Design): इसमें इकाइयों (Entities), उनकी विशेषताओं (Attributes) और उनके आपसी संबंधों को दर्शाने के लिए ई-आर (Entity-Relationship) आरेख तैयार किया जाता है।

(iii) तार्किक डिजाइन (Logical Design): इसमें ई-आर डिजाइन को परस्पर संबंधित डेटा सारणियों (Tables) जैसे— Employee, Vouchers, Support, Accounts और AccountType सारणियों में परिवर्तित किया जाता है।

डेटा का संगठन: सारणियों में पंक्तियाँ (रिकॉर्ड) और स्तम्भ (फील्ड) होते हैं। प्राथमिक कुंजी (Primary Key) प्रत्येक रिकॉर्ड की विशिष्ट पहचान करती है, जबकि बाह्य कुंजी (Foreign Key) सारणियों के बीच संबंध स्थापित करती है। इससे डेटा का दोहराव रुकता है और एकरूपता बनी रहती है।



All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/



Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success